ISBN: 978-81-949512-6-1

भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

(कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग)
दलहन विकास निदेशालय
छठवीं मंजिल, विन्ध्याचल भवन
भोपाल–462004 (म.प्र.)

सत्यमेव जयते

Government of India

Ministry of Agriculture & Farmers Welfare,
Deptt. of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare
Directorate of Pulses Development
6th Floor, Vindhyachal Bhavan
Bhopal - 462004 (M.P.)

E-mail: dpd.mp@nic.in, Telefax: 0755-2571678, Phone: 0755-2550353/ 2572313

मसूर

वैज्ञानिक नामः लेन्स कुलिनेरिस

क्षेत्रफल : 14.24 लाख हे.
उत्पादन : 12.17 लाख टन
उपज : 855 कि.ग्रा. / हे.

(औसत 2014–15 से 2018–19)

सर्वोच्च उत्पादन – 16 लाख टन (2017–18)

मसूर का क्षेत्र उत्पादन एवं उपज (2010–11 से 2018–19)

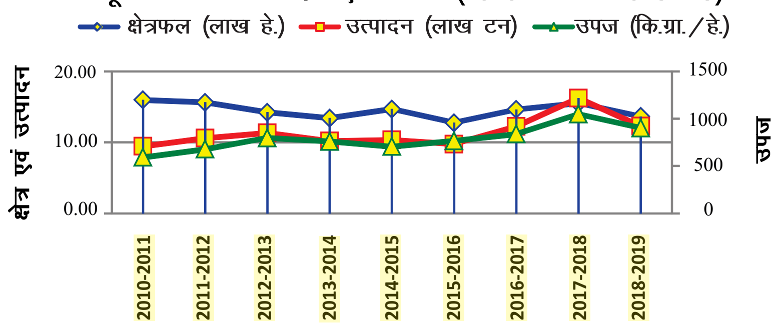

प्रमुख राज्य (औसत : 2014–15 से 2018–19)

(क्षेत्रफल : लाख हे, उत्पादन : लाख टन, उपज : कि.ग्रा./हे)

मुख्य राज्य	क्षेत्रफल	% योगदान	उत्पादन	% योगदान	उपज
मध्य प्रदेश	5.41	38	4.53	37	837
उत्तर प्रदेश	4.44	31	3.66	30	824
बिहार	1.56	11	1.55	13	997
प. बंगाल	1.15	8	1.07	9	934
राजस्थान	0.49	3	0.47	4	966
उपरोक्त योग	13.05	(92%)	11.29	(93%)	865
सम्पूर्ण भारत	14.24		12.17		855

प्रमुख जिले (2018–19)

प्रमुख राज्य	प्रमुख जिले
मध्य प्रदेश (78%)	सागर, राजगढ़, विदिशा, डिंडोरी, रीवा, नरसिंहपुर, रायसेन, शाजापुर, मंडला, सतना, पन्ना, दमोह, अनूपपुर, सिवनी
उत्तर प्रदेश (65%)	बहराइच, बाँदा, झाँसी, महोबा, चित्रकूट, बलरामपुर, जालौन, हमीरपुर, शाहजहानपुर, सीतापुर, बलिया, श्रावस्ती, खीरी
बिहार (76%)	पटना, नालंदा, औरंगाबाद, प.चम्पारण, मधुबनी, गया, जहानाबाद, पू.चम्पारण, भभुआ, भोजपुर, अरवल, लाखीसराय
प. बंगाल (90%)	नडिया, मुर्शीदाबाद, बीरभूम, उत्तर 24परगनास, मालदा
राजस्थान (99%)	प्रतापगढ़, झालावार, भीलवाड़ा, बूंदी, टोंक, चित्तोर, नागौर

प्रमुख देश (औसत : 2014 से 2018)

(क्षेत्रफल : लाख हे, उत्पादन : लाख टन, उपज : कि.ग्रा./हे)

देश	क्षेत्रफल	% योगदान	उत्पादन	% योगदान	उपज
कनाडा	17.98	34	27.03	46	1503
भारत	15.92	30	11.50	20	722
टर्की	2.53	5	3.65	6	1441
अमेरिका	2.74	5	3.33	6	1218
नेपाल	2.04	4	2.31	4	1131
उपरोक्त योग	41.21	(79%)	47.82	(81%)	1160
सम्पूर्ण विश्व	52.23		58.84		1127

आर्थिक महत्व : भारत विश्व के 30% क्षेत्र और 20% उत्पादन के साथ दूसरे स्थान पर है। मसूर को कब्ज एवं आंतों से संबंधित समस्याओं को दूर करने के लिए उपयोगी माना जाता है। बीज भी प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम आदि से भरपूर होते हैं।

फसल उत्पाद :

- मुख्य रूप से 'दाल' के रूप में पूरे / विघटित / विभाजित रूप में सेवन किया जाता है।
- सूखी पत्तियां, भूसी, तना, टूटी फली पशुओं के चारे के रूप में उपयोग की जाती है।
- आटा का उपयोग स्नैक्स, सूप, उबाल कर, प्यूरी बनाने के लिए किया जाता है, अनाज के साथ मिलाकर रोटी एवं केक बनाने के लिए तथा शिशुओं के लिए भोजन के रूप में उपयोग किया जाता है।

उन्नत प्रजातियां :

वर्ष	प्रजातियां	वर्ष	प्रजातियां
2011	वी.एल. मसूर 133, वी.एल. मसूर 514	2016	आर.एल.जी–5
2012	एल.एल. 931	2017	एल. 4717, आर.वी.एल. 11–6, पी.एल–9
2013	आई.पी.एल. 316	2018	आर.के.एल. 607–1, आर.के.एल. 14–20, एल. 4727
2014	राज विजय मसूर 31, आजाद मसूर 1	2019	आई.पी.एल. 321, आई.पी.एल. 315, आर.वी.एल. 13–5, आर.वी.एल. 13–7
2015	के.एल.बी. 2008–4 (क्रांति), के.एल.एस. 09–3 (कृष)	2020	आई.पी.एल. 534, कोटा मसूर 3 (आर.के.एल. 605–03) एल. 4729, वी.एल. मसूर 148

प्रकाशक : निदेशक, दलहन विकास निदेशालय, भारत सरकार, भोपाल, म.प्र.
वेबसाइट : www.dpd.gov.in

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
(कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग)
दलहन विकास निदेशालय
छठवीं मंजिल, विन्ध्याचल भवन
भोपाल–462004 (म.प्र.)

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Agriculture & Farmers Welfare,
Deptt. of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare
Directorate of Pulses Development
6th Floor, Vindhyachal Bhavan
Bhopal - 462004 (M.P.)

E-mail: dpd.mp@nic.in, Telefax: 0755-2571678, Phone: 0755-2550353/ 2572313

बुवाई ऋतु : रबी

बुवाई समय : वर्षा आधारित : मध्य क्षेत्र और दक्षिण क्षेत्र में अक्टूबर का प्रथम पखवाड़ा;
उत्तरी क्षेत्र में अक्टूबर का द्वितीय पखवाड़ा;
देरी से बुवाई – उत्तरी पूर्वी समतल क्षेत्र के धान पड़त क्षेत्र में दिसंबर के प्रथम सप्ताह में

बुवाई विधि : समतल बेड/पंक्तिवार बुवाई
धान के साथ रिले खेती

अन्तराल : 30x10 से.मी.

बीज गहराई : 3–4 से.मी.

बीज दर : छोटा बीज – 35–40 कि.ग्रा./हे.

बड़ा बीज एवं देर से बुवाई : 45–50 कि.ग्रा./हे.

उतेरा फसल– 60–70 कि.ग्रा./हे.

बीजोपचार : कार्बोक्सिन 2 ग्राम/कि.ग्रा. बीज

कल्चर एवं सूक्ष्म पोषक तत्व : राईजोबियम + पी.एस.बी. प्रत्येक 1 पैकेट प्रति 10 कि.ग्रा. बीज

मिट्टी का प्रकार : अच्छी जल निकास वाली सामान्य पी.एच. मान वाली दोमट मिट्टी मसूर की खेती के लिए सर्वोत्तम है।

मौसम : वानस्पतिक वृद्धि के दौरान मसूर को ठंडे तापमान की और परिपक्वता के समय गर्म मौसम की आवश्यकता होती है 18–30°C पर विकास इष्टतम होता है। यह पाले व काफी कम तापमान को भी सहन कर सकती है।

पौध पोषक तत्व प्रबंधन : मध्यम से कम उपजाऊ मिट्टी में आधार उर्वरक के रूप में 20 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 20 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हे.।

सल्फर– मध्यम काली मिट्टी और रेतीली दोमट मिट्टी में– आधार उर्वरक के रूप में 20 किलोग्राम/हे., लाल रेतीले दोमट मिट्टी में– 40 किलोग्राम/हे., (यह मात्रा एक फसल चक्र के लिए पर्याप्त है)।

बोरान– कैल्शियम युक्त जलोढ़ मिट्टी में उगाए गए चना/मसूर में, प्रत्येक फसल के लिए आधार के रूप में 1.6 किलोग्राम बोरॉन/हे., (16 किलो बोरेक्स/11 किलोग्राम डाई–सोडियम टेट्रा बोरेट पेंटा–हाइड्रेट) देना चाहिए।

उर्वरक का प्रयोग मृदा परीक्षण रिपोर्ट पर आधारित होना चाहिए।

सिंचाई : प्रथम–शाखाएं आने पर (40–45 दिन बाद); द्वितीय–फली भरने पर (80–85 दिन बाद)

फसल प्रणाली :

चक्रण : धान–मसूर; मक्का–मसूर; बाजरा–मसूर; कपास–मसूर; मूंगफली–मसूर; खरीफ पड़त–मसूर (वर्षा आधारित क्षेत्र)

अंतर्वर्ती : गन्ने की दो पंक्तियों के बीच में 30 सेंटीमीटर की दूरी पर मसूर की दो पंक्तियों के साथ सरसों, अलसी, गन्ना (शरदकालीन)

खरपतवार प्रबंधन :

प्रमुख खरपतवार	प्रबंधन
बथुआ, गजरी, चटरी, मटरी, अंकारी, कटेली, सेन्जी, जंगली प्याजी	हाथ की निराई/अंतः कल्वरः पहली 25–30 और दूसरी 45–50 दिन बाद; पेन्डीमिथालिन 30 ई.सी. @ 3–4 लीटर/हेक्टेयर (अंकुरण पूर्व)

बीज प्रतिस्थापन दर :

फसल	2011	2012	2013	2014	2015	2016
मसूर	20.23	21.46	34.12	31.49	26.65	35.40

कीट व्याधि और रोग प्रबंधन :

प्रमुख रोग	प्रबंधन
अंकुर मृत्यु दर	i) नवंबर के मध्य तक देरी से बुवाई करें; बीजोपचार– कार्बोक्सिन फफूंदनाशी @ 2 ग्राम/किलोग्राम बीज। ii) प्रतिरोधी किस्में– पंत एल –406 उगाएं।
विल्ट	i) 3 वर्ष का फसल चक्र कार्बोक्सिन @ 2 ग्राम/किलोग्राम के साथ बीजोपचार करें। ii) प्रतिरोधी किस्में एल –4076, पंत एल 4, सपना, पंत एल –406।
स्टेफिलियम ब्लाइट	प्रभावित पौधे के फसल अवशेष को जलाया जाना चाहिए। फसल पर मेंकोजेब 75 WP @ 0.2% छिड़काव करें। 15 दिन के अंतराल पर दोबारा छिड़काव करें।

प्रमुख कीट	प्रबंधन
फली भेदक	i) नीम के अर्क (5%) का छिड़काव करें। ii) साइपरमेथ्रिन (0.02%) का छिड़काव करें।
एफिड	i) फसल चक्रण अपनाएं; ii) डायमिथोएट 30 ई.सी. का 1.7 मिली./ली. पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

कटाई: पत्तियां गिरने लगती हैं, तने और फली भूरे या भूसे रंग में बदल जाते हैं और बीज कठोर और उनके अंदर 15% नमी के साथ खड़खड़ आवाज आने लगे तब कटाई करना चाहिए।

फसल आर्थिकी :

मानक	रबी
उपज (नार्मल 2014–15 से 2018–19)	8.55 क्विंटल/हे.
सकल आय (न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 2019–20)	रू. 41040/हे.
खेती की लागत ($CoCA_2$+FL)*	रू. 21042/हे.
उत्पादन की लागत	रू. 2461 क्विंटल

*CoC–कृषि लागत; A_2–वास्तव में किया गया भुगतान; FL- पारिवारिक श्रम का प्रतिष्ठित मूल्य।

थ्रेसिंग और भंडारण : थ्रेसिंग फ्लोर पर 4–7 दिनों के लिए सुखाएं और हाथों से या बैल/पॉवर थ्रेशर द्वारा गहाई करें, जिसके बाद 3–4 दिनों के लिए धूप में सुखाएं ताकि उनकी नमी 9–10% पर आ सके। सुरक्षित भंडारण के लिए डिब्बे में संग्रहित और उन्हें ब्रूचिड्स से बचाने के लिए धूमन किया जाना चाहिए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य :

(रू./क्विंटल)

फसल	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
मसूर	3075	3325*	3950^	4250@	4475	4800

*रू. 75/– प्रति क्विंटल का बोनस सन्निहितय ^रू. 200/– प्रति क्विंटल का बोनस सन्निहित; @ रू. 150/– प्रति क्विंटल का बोनस सन्निहित

संकलन एवं संपादन
- डॉ. ए.के. तिवारी, निदेशक
- डॉ. ए.के. शिवहरे, संयुक्त निदेशक
- डॉ. संदीप सिलावट, वरिष्ठ तकनीकी सहायक
- श्री सरजू पल्लेवार, सांख्यिकी अन्वेषक

प्रकाशन वर्ष 2021